वाइटल स्टैट्स

उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्यों की सहभागिता (2012-2017)

चुनाव आयोग ने हाल ही में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा की है। इस संदर्भ में, हम उत्तर प्रदेश की 16 वीं विधानसभा (2012-2017) के संघटन और विधायकों की सहभागिता की प्रवृत्तियों से जुड़े कुछ आंकड़े प्रस्तुत कर रहे हैं।

विधायकों की औसत उम्र 55 वर्ष; 70% से अधिक के पास स्नातक की डिग्री

विधायकों की आयु का विभाजन

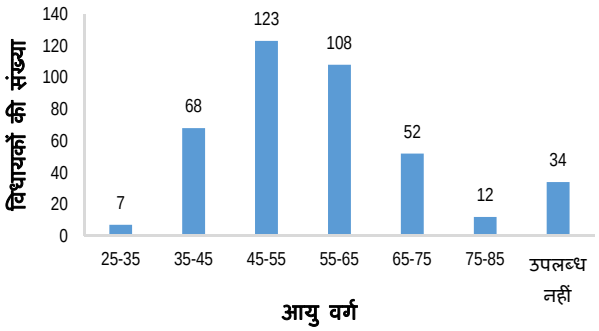

विधायकों की शिक्षा का स्तर

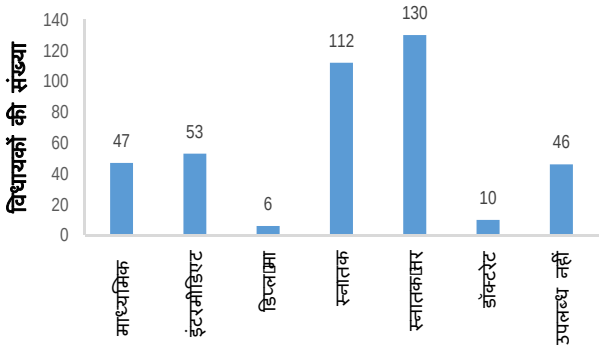

- वर्तमान विधायकों में से 62% विधायक 45 वर्ष से 65 वर्ष के बीच के हैं, जबकि केवल 2% विधायक 35 वर्ष से कम आयु के हैं। उल्लेखनीय है कि चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 25 वर्ष है।
- 404 विधायकों में से 13% विधायकों ने माध्यमिक शिक्षा (10 वीं तक की शिक्षा) पूरी की है, जबकि 15% ने इंटरमीडिएट (12 वीं) तक की शिक्षा पूरी की है। इसके अतिरिक्त 31% विधायकों के पास स्नातक और 36% के पास स्नातकोत्तर डिग्री है।
- अनेक विधायकों ने एक से अधिक व्यवसायों की घोषणा की है। 76% विधायकों ने कृषि, 33% विधायकों ने कारोबार और 9% विधायकों ने कानून के क्षेत्र से संबंधित होने की घोषणा की है। विधायकों द्वारा घोषित अन्य व्यवसायों में शिक्षण, स्वास्थ्य क्षेत्र, पत्रकारिता और सामाजिक कार्य शामिल हैं।

कॉलेज डिग्री प्राप्त विधायकों ने पूछे अधिक प्रश्न; महिला विधायकों ने पूछे कम प्रश्न

पूछे गए प्रश्नों की औसत संख्या : शिक्षा का स्तर

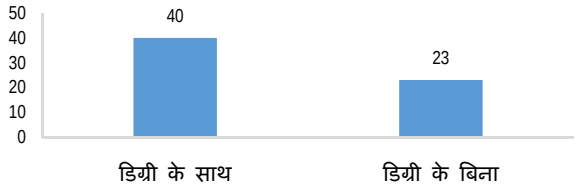

- कॉलेज डिग्री प्राप्त विधायकों ने बिना डिग्री के विधायकों की तुलना में औसतन 70% अधिक प्रश्न पूछे।

पूछे गए प्रश्नों की औसत संख्या : लिंग

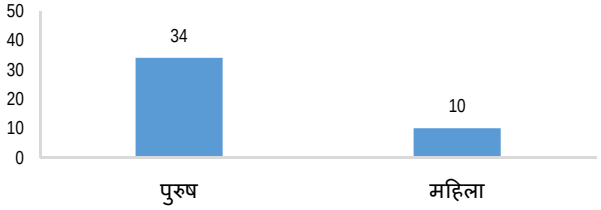

- विधानसभा में 9% महिला विधायक हैं।
- पुरुष विधायकों ने महिला विधायकों की तुलना में औसतन तीन गुना से अधिक प्रश्न पूछे।

झलक कक्कड़
jhalak@prsindia.org

अनिकेत नरावाड
aniket@prsindia.org

6 जनवरी, 2017

लगभग 15% विधायकों ने 90% प्रश्न पूछे

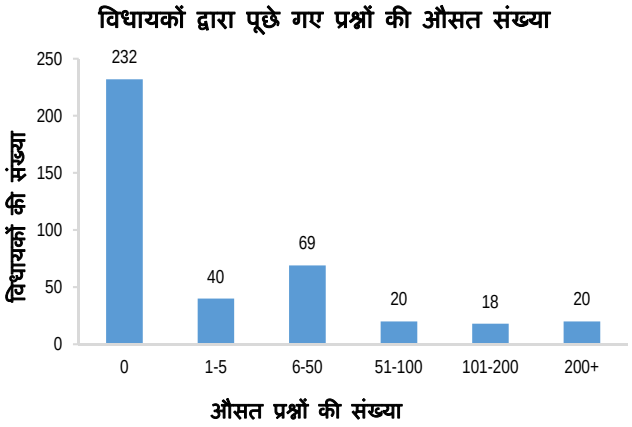

- प्रश्न काल एक महत्वपूर्ण साधन है जो विधायकों को जनहित के विषयों पर सरकार से सूचना प्राप्त करने के लिए सशक्त बनाता है। सरकार को अपने कार्यों के प्रति जवाबदेह बनाने के लिए विधायकों द्वारा इसका प्रयोग किया जाता है। प्रश्न काल के दौरान सरकार की गतिविधियों, नीतियों इत्यादि से संबंधित तथ्यों के बारे में प्रश्न पूछे जा सकते हैं और मंत्रीगण अपने मंत्रालयों के कार्यों के प्रति जवाबदेह होते हैं।
- औसतन प्रत्येक विधायक ने 32 प्रश्न पूछे। इसके अतिरिक्त तीन विधायक ऐसे हैं जिन्होंने 500 से अधिक प्रश्न पूछे।
- 58% विधायकों ने एक भी प्रश्न नहीं पूछा।

सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों की उपस्थिति विपक्षी विधायकों से अधिक रही; सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों ने कम प्रश्न पूछे

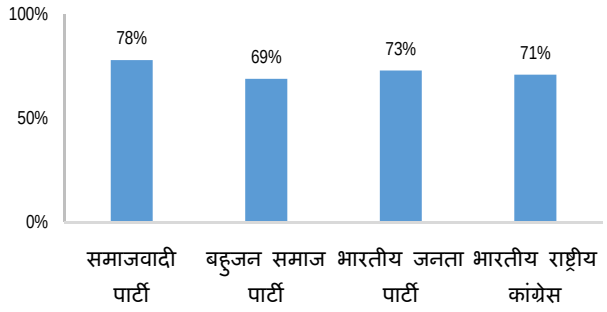

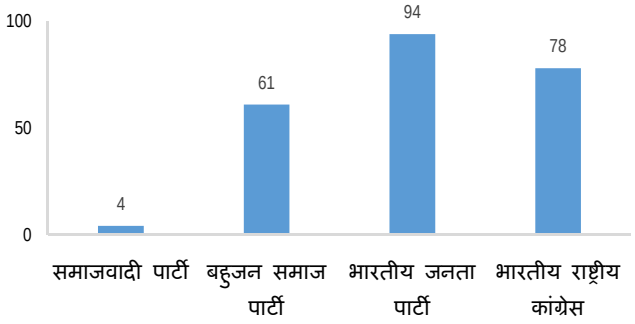

नोट: उपस्थिति संबंधी आंकड़े दिसंबर 2015 तक उपलब्ध हैं।

- 16वीं विधानसभा की बैठक कुल 126 दिन हुई। इसमें 107 दिनों के आंकड़े सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं (2015 तक)।
- समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायकों की औसत उपस्थिति सर्वाधिक 78% है, और बहुजन समाज पार्टी के विधायकों की औसत 70% के साथ सबसे कम उपस्थिति है।
- सत्तारूढ़ सपा विधायकों ने विपक्षी पार्टियों के विधायकों की तुलना में औसतन कम प्रश्न पूछे हैं (विपक्षी विधायकों का औसत 70 प्रश्न प्रति विधायक है, जबकि सपा के विधायकों का औसत 4 प्रश्न प्रति विधायक) है।
- यह संसद की प्रवृत्ति से भिन्न है जहां सत्तारूढ़ या विपक्षी पार्टियों के सांसदों द्वारा पूछे जाने वाले प्रश्नों की संख्या में बहुत कम अंतर होता है।

स्रोत: 1 दिसंबर, 2016 को उत्तर प्रदेश विधानसभा और चुनाव आयोग की वेबसाइटों पर उपलब्ध सूचना।

अस्वीकरण: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च ("पीआरएस") की स्वीकृति के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।